

# दाऊद औज़ि गोलियत



Bangani



# दाऊद औज़ि गोलियत

Bangani  
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big Book in Bangani language  
Orange Level Book

परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

## दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें दाऊद और गोलियत के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।





परमेश्वरेइ दाऊद इस्राएल दी राज़ कौरणे खी  
छाँटौ थौ, तैबै शमुएलेइ तेसरौ राज़तिलक कियौ,  
पर सेजै दुसु दी शाऊल इस्राएल दी राज़ कौरै  
थौ। औज़ि पलिश्तिन लोग इस्राएलिऊँ रै साथै  
लड़ाई कौरदु रौयैण थै।



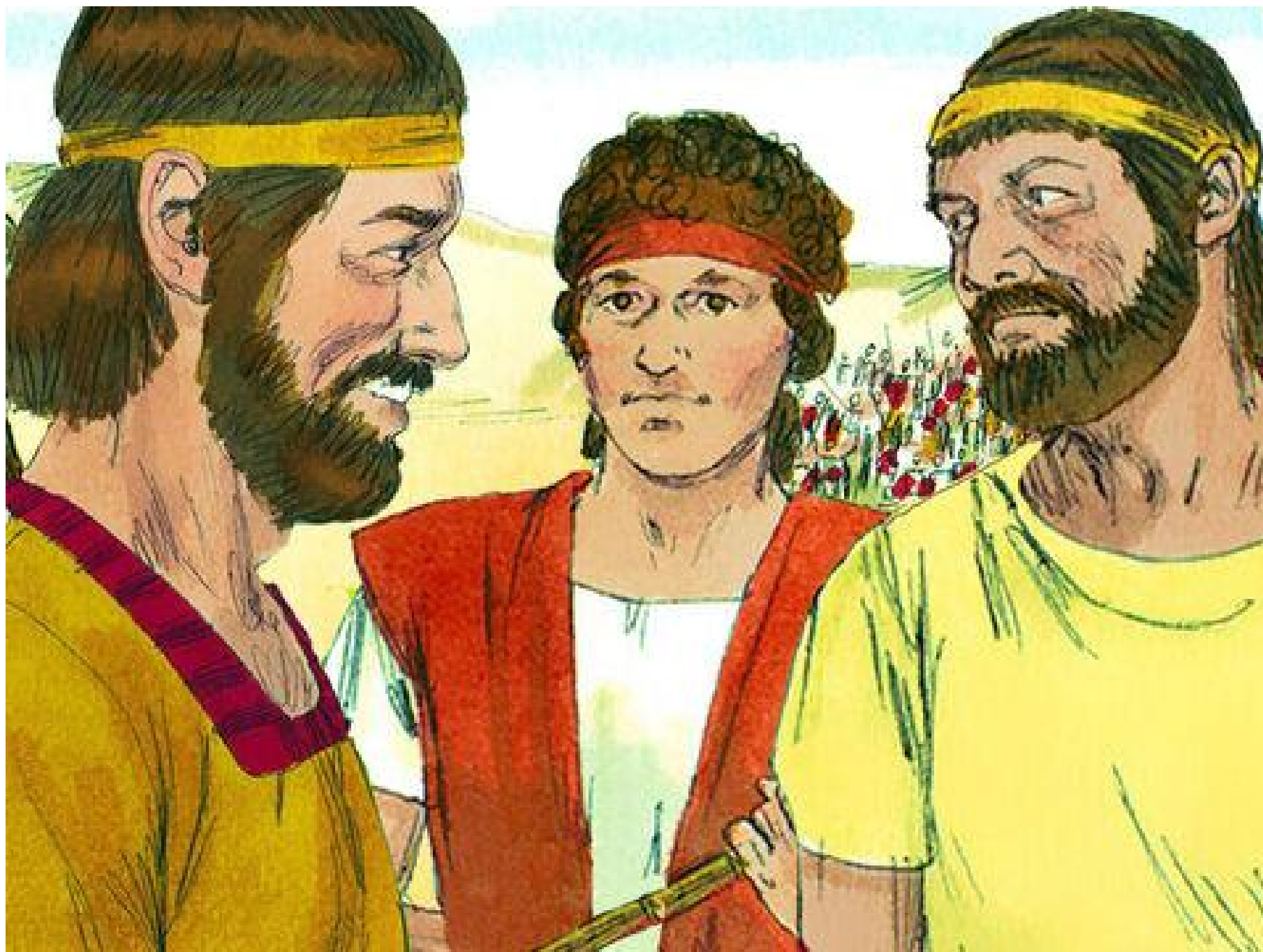




जौ पलिश्तिन लोग लड़ाई कौरदै आयै, तै सै एक  
ज़ागा दी कौट्ठै उवै, औज़ि इस्राएली बी तिऊरै  
साथै लड़ाई कौरने खी सेज़ी ज़ागा दी पौइंचै।  
सेज़ै बौक्ते दी दाऊद रै बौड़ै बाई री सेना  
इस्राएल री सेना रै साथै थी।



तैबै पलिशितुं माई कौइ गोलियत नौऊं रौ एक  
लड़ाई कौरणै वाळौ आअ, सेऊ 9 फूट लाम्बौ  
थौ। तिणी पीतलेरी टोपळी औज़ि सुरक्षा कबर  
थौ बिड़ौन्दौ, औज़ि तेसरै आथे दी एक बौड़ौ  
बौरछौ थौ औज़ि एक बौड़ौ डाळ थी जेस एक  
माणूछ टिपियौ तेसरै औगौणिकै – औगौणिकै  
आन्दै थौ।

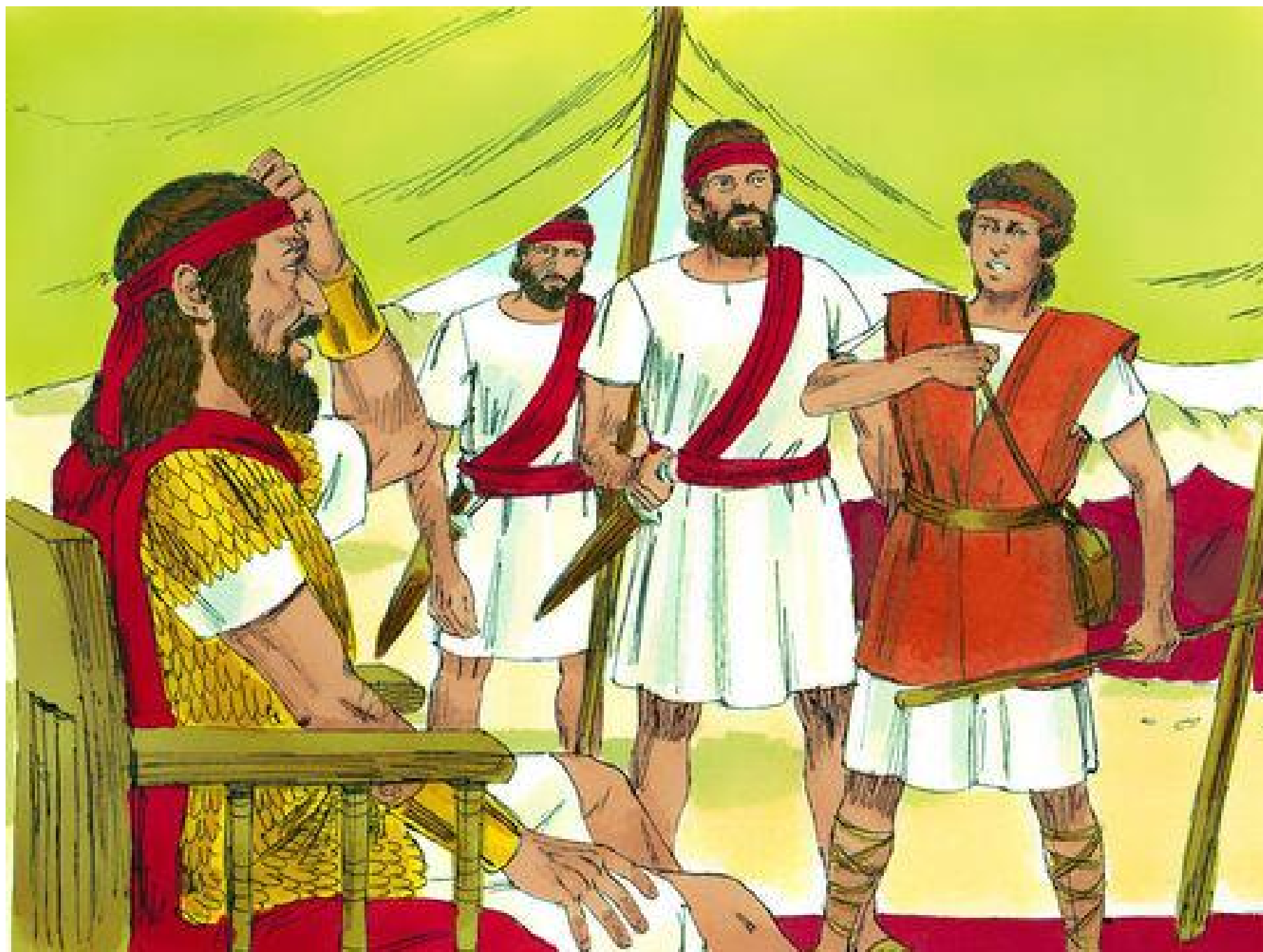


जौ लड़ाई रौइ थी उन्दी लागी, तै इशेइ आपड़ौ  
छोटौ बेटा दाऊद तिऊँरै हालचाल पुछ्छदै छाड़ौ,  
जौ दाऊद लड़ाई री ज़ागा दी पौइंचियौ आपड़ै  
बाईऊँ रै हाल चाल रौ थौ पुछ्छदै लागी। तैबै  
गोलियत इस्राएल री सेनाई लौलकारदै लागौ।





गोलियत इस्राएल री सैना खी लौलियाइयौ बोल्दै  
लागौ कि तुम माई कौइ कुण जुण्जौ मेरै साथै  
जुटियैलौ? अगर तुम माई कौइ कोई मू औरा लौ  
तै आमै तुमारै गुलाम औइ लै, अगर तेस आऊँ  
औराऊलै तै तुमै सारै आमारै गुलाम बौणियो  
आमारी सेवा कौरै लै।



पर कासी री हिम्मत ना ऊइ तेसकाई डेणेरी, पर  
जौ दाऊदेइ एशौ शुणौ तै सेऊ बोल्दै लागौ कि  
एऊ कुणै जूण ज़िऊंदिया परमेश्वर री सैनाइ रौ  
लौलकारदै लागी। जौ शाऊल राज़ा कै दाऊद री  
एज़ी बुशै रौ पौतौ लागौ, तै तिणी दाऊद  
आपकाई औटाओ।



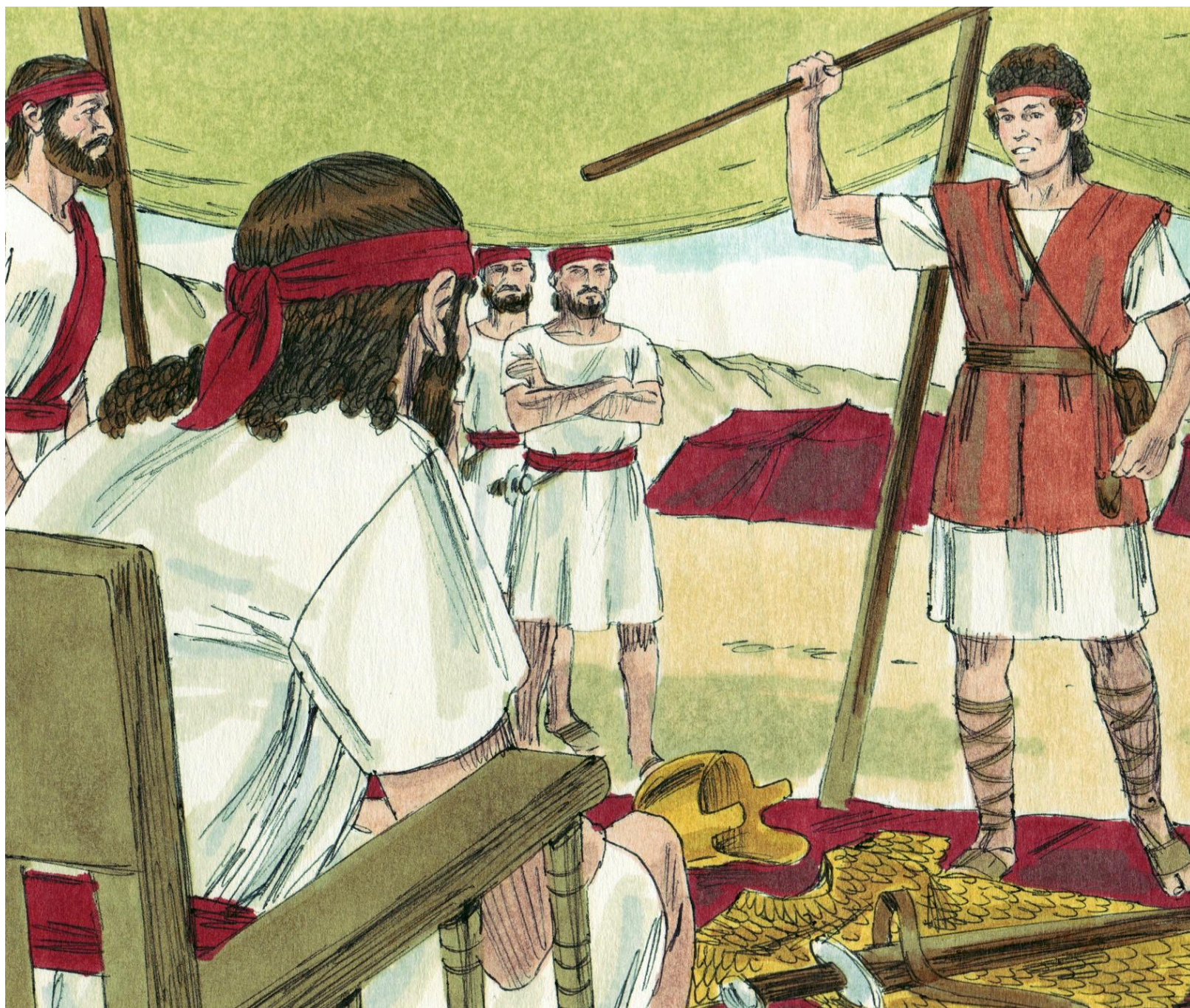
जौ दाऊद शाऊल काई पौइंचौ तैबै दाऊदेइ  
शाऊल आरी बोलौ, कि तू परेशान ना औऊ,  
आऊं जुटिऊ गोलियत रै साथै औज़ि एस आऊं  
जांगु। पर शाऊलेइ बोलौ, कि तू तै इबी छोटौ  
जाइं पर सेऊ एक लड़ाई कौरणै वाळौ तू तेस  
केशौ जांगी सौकै।





तैबै दाऊदेइ शाऊल आरी बोलौ, जेत्रा आऊं  
आपड़ै पापा री बेड़ बाकरिऊं चौराऊ थौ, सेजै  
बौक्ते दी मुईं शेर औजि रीख कौइ आपड़ी बेड़  
बाकरियै बौचाइ। मुईं शेर औजि रीख दुईया  
जांगौन्दै, तेशेशौइ आऊं तेस पलिशितन लड़ाई  
कौरणै वाळेइ बी पोरु जांगू केलाकि तिणी  
जिऊंदिया परमेश्वर लौलकारौ।







तैबै दाऊदेइ बोलौ, कि जेशौ आऊँ परमेश्वरेइ  
शेर औज़ि रीख कौइ बौचाओ, तेशौइ सेऊ मूँ एस  
जानदार गोलियत रै आथु कौइ बी बौचाए लौ,  
तैबै शाऊलेइ दाऊद आरी बोलौ, कि डेऊ  
परमेश्वर तेरै साथै रौयै लौ। तैबै दाऊद राज़ा री  
बुशै मानियौ गोलियत रै साथै लड़ाई कौरदै डैअ।



औज़ि डेन्दु बैरै दाऊदेइ खौऽटै कौइ पाँच डोळ  
टिपियौ आपड़ी ज़ोळटुड़ी पोरु थौऐ, औज़ि साथी  
आथे दी फिंकु गिणियौ गोलियत रै साथै लड़ाई  
कौरदै डैअ। ज़ौ गोलियतै दाऊद देखौ, तै सेऊ  
तेस देखियौ औस्टै लागौ केलाकि सेऊ देखणे  
खी छोटौ थौ।

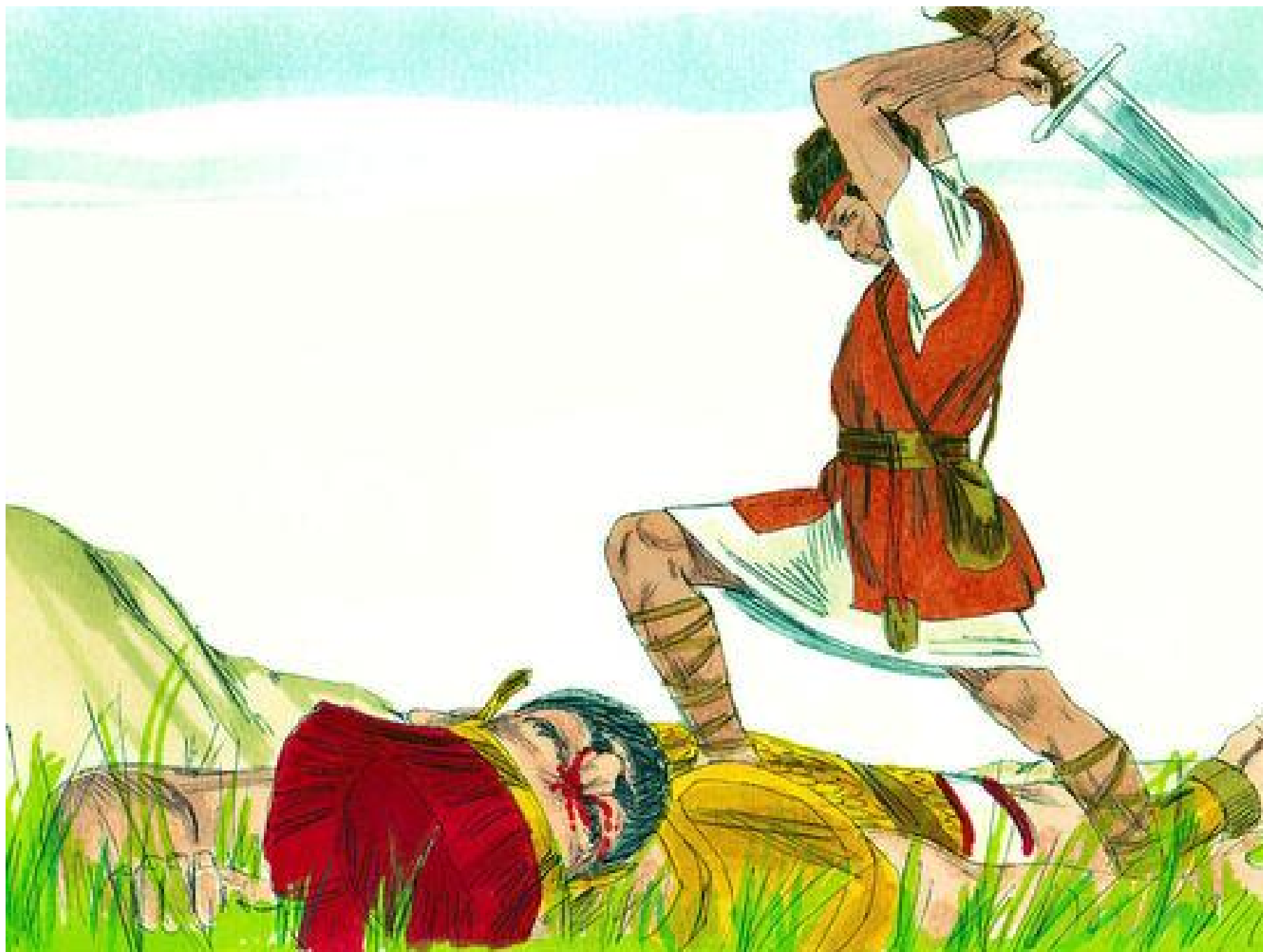




तैबै गोलियतेइ बोलौ, का आऊँ कुकूर, तू नी  
मुँकाइ डिंगौ गिणियो रौ आंऽदै लागी, तैबै  
दाऊदेइ तेसारी बोलौ तू तै बौरछौ औज़ि  
तौलवार गिणियो आशै मुँकाइ। पर आऊँ  
ताऊँकाई ज़िऊँदिया परमेश्वर रै नौऊँ कौइ आऊ।  
सेऊ एत्रा ताऊँ मेरै आथे दी दै लौ, औज़ि आऊँ  
ताऊँ पोरु ज़ांगु।



तैबै सारी दुनिया एशौ जाणै ली कि इस्राएल दी  
एक परमेश्वर, औज़ि एत्कै रै लोग बी एशौ ज़ाणै  
लै, कि परमेश्वर तौलवार औज़ि बौरछै कौइ ज़ीत  
ना देआन्दौ। तैबै दाऊदेइ ज़ोळटुड़ी कौइ एक  
डोळ गाड़ियौ फिंकु दी थौ, तिणी सेऊ डोळ  
गोलियत रै कौपाळे खी एशौ फिरकाअ कि सेऊ  
डोळ तेसरै कौपाळे दी बित्रै डैअ।



गोलियत तेत्राइ दनी रुळौ, दाऊदेइ दौड़ियौइ  
गोलियत री तौलवार गिणी, तीं तौलवारी कौइ  
गोलियत रौ केकौं काटौ एशौ देखियौ सारै  
पलिश्तिन तेतकौइ पोरु बागै, एशेशै कौइ  
परमेश्वरेइ दाऊद री बौजै कौइ इस्राएल री  
जीत कौराइ।

## For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.





यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.